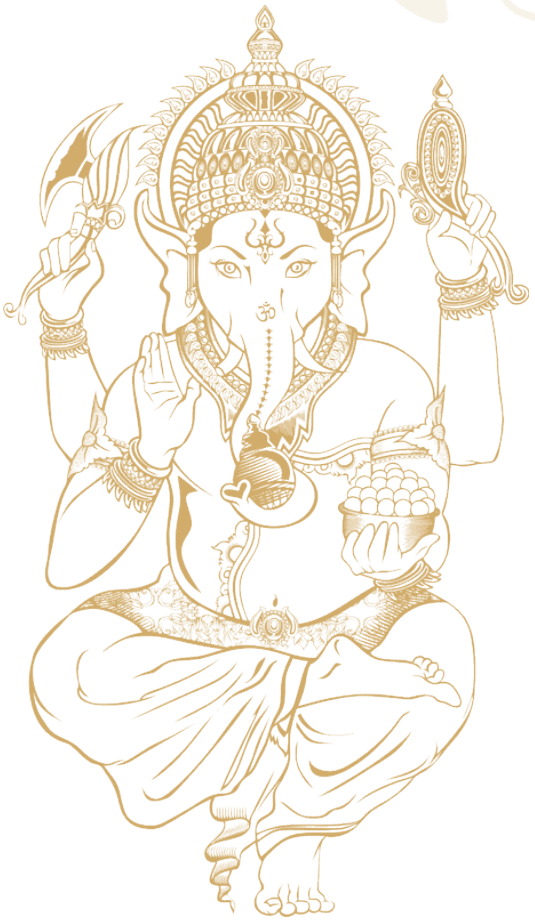

Ridhina

23 Aug 1995

09:51 AM

Muzaffarnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121236812

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:51:00 घंटे**
इष्ट	09:59:04 घटी
स्थान	**Muzaffarnagar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:28:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:31:48 घंटे
वेलान्तर	-00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	07:35:47 घंटे
सूर्योदय	05:51:22 घंटे
सूर्यास्त	18:52:01 घंटे
दिनमान	13:00:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:47:25 सिंह
लग्न के अंश	27:05:47 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	27:05:47	312:54:19	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
सूर्य			सिंह	05:47:25	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	01:11:17	12:09:54	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	स्वराशि
मंगल			कन्या	26:22:31	00:38:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	27:52:13	01:29:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	12:21:54	00:03:40	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	06:23:19	01:14:18	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	29:11:42	00:04:02	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		तुला	04:34:52	00:09:29	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	04:34:52	00:09:29	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	03:29:15	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		धनु	29:26:46	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	04:04:37	00:00:29	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	28:22:18	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:56

लग्न-चलित

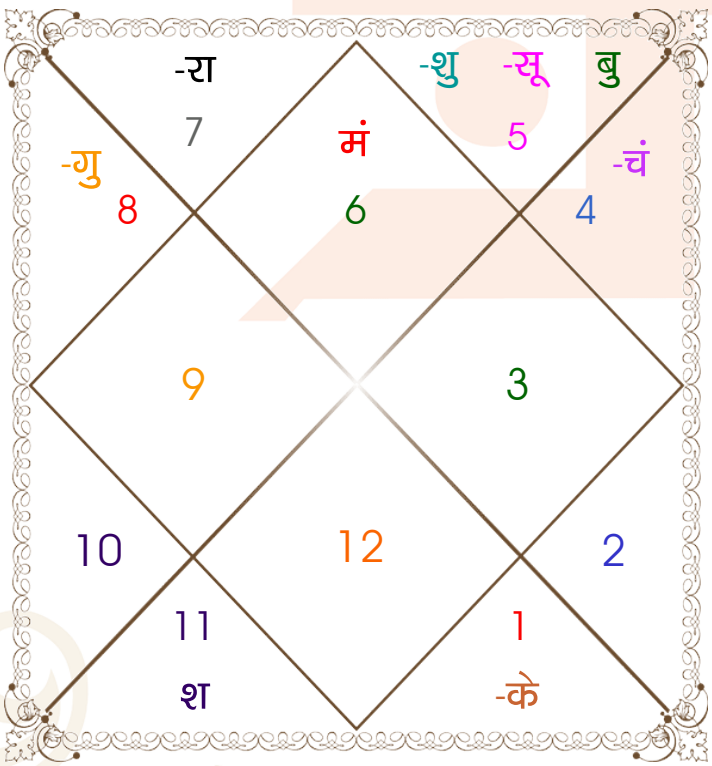

चन्द्र कुंडली

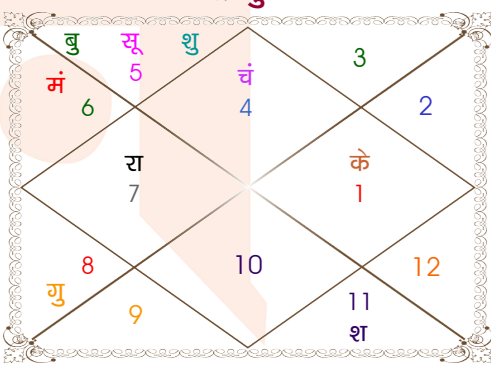

नवमांश कुंडली

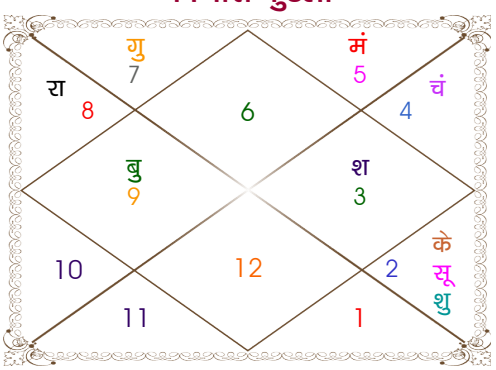

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 6 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/08/1995		20/03/1998		20/03/2017		20/03/2034		20/03/2041	
20/03/1998		20/03/2017		20/03/2034		20/03/2041		20/03/2061	
	00/00/0000	शनि	23/03/2001	बुध	17/08/2019	केतु	16/08/2034	शुक्र	19/07/2044
	00/00/0000	बुध	01/12/2003	केतु	13/08/2020	शुक्र	16/10/2035	सूर्य	20/07/2045
	00/00/0000	केतु	09/01/2005	शुक्र	14/06/2023	सूर्य	21/02/2036	चंद्र	20/03/2047
	00/00/0000	शुक्र	11/03/2008	सूर्य	19/04/2024	चंद्र	21/09/2036	मंगल	20/05/2048
	00/00/0000	सूर्य	21/02/2009	चंद्र	19/09/2025	मंगल	17/02/2037	राहु	20/05/2051
	00/00/0000	चंद्र	22/09/2010	मंगल	16/09/2026	राहु	08/03/2038	गुरु	18/01/2054
	23/08/1995	मंगल	01/11/2011	राहु	04/04/2029	गुरु	12/02/2039	शनि	20/03/2057
मंगल	26/10/1995	राहु	07/09/2014	गुरु	11/07/2031	शनि	23/03/2040	बुध	19/01/2060
राहु	20/03/1998	गुरु	20/03/2017	शनि	20/03/2034	बुध	20/03/2041	केतु	20/03/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/03/2061		20/03/2067		20/03/2077		20/03/2084		21/03/2102	
20/03/2067		20/03/2077		20/03/2084		21/03/2102		00/00/0000	
सूर्य	07/07/2061	चंद्र	19/01/2068	मंगल	16/08/2077	राहु	01/12/2086	गुरु	08/05/2104
चंद्र	06/01/2062	मंगल	19/08/2068	राहु	04/09/2078	गुरु	25/04/2089	शनि	20/11/2106
मंगल	14/05/2062	राहु	18/02/2070	गुरु	10/08/2079	शनि	01/03/2092	बुध	25/02/2109
राहु	08/04/2063	गुरु	20/06/2071	शनि	18/09/2080	बुध	19/09/2094	केतु	31/01/2110
गुरु	25/01/2064	शनि	18/01/2073	बुध	15/09/2081	केतु	07/10/2095	शुक्र	01/10/2112
शनि	06/01/2065	बुध	19/06/2074	केतु	12/02/2082	शुक्र	07/10/2098	सूर्य	21/07/2113
बुध	12/11/2065	केतु	19/01/2075	शुक्र	14/04/2083	सूर्य	01/09/2099	चंद्र	20/11/2114
केतु	20/03/2066	शुक्र	18/09/2076	सूर्य	20/08/2083	चंद्र	03/03/2101	मंगल	24/08/2115
शुक्र	20/03/2067	सूर्य	20/03/2077	चंद्र	20/03/2084	मंगल	21/03/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।